RAJAS

EYE & RETINA RESEARCH CENTRE

लेज़र पद्धति से दृष्टि दोष सुधार

चश्में व कॉन्टेक्ट लैन्स से आजादी

दृष्टि दोष सुधार में नए युग का आरंभ

राजस मध्य भारत में लेज़र से दृष्टि सुधारने का सबसे उत्कृष्ठ सेन्टर है । सेन्टर द्वारा वेवलाइट (जर्मनी) निर्मित आधुनिकतम व सबसे तीव्र LASIC मशीन Allegreto EYE-Q 400H_z की सुविधा उपलब्ध है।

राजस का उद्धेश्य मध्य भारत में दृष्टि दोष सुधार के क्षेत्र में ऐसी तकनीकी क्रांति लाना है जो चश्में व कांटेक्ट लैंस पर निर्भरता में कमी ला सकें या इस निर्भरता को पूर्णतः समाप्त कर सकें।

इस उपचार विधि की विशेषता है - इसकी विश्वसनीयता व बहुत ही कम समय में ऑपरेशन। यह तकनीक पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। आपकी दृष्टि प्रकृति की सबसे महत्वपूर्ण देन है। आज की आधुनिक व गतिशील जीवन शैली में चश्में व कांटेक्ट लैंस से मुक्ति एक वरदान के समान है।

राजस नेत्र विशेषज्ञ द्वारा संचालित सेन्टर है जो उच्चतम स्तर की तकनीक व नेत्र देखभाल प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। आपको विषय से परिचित कराने के उद्धेश्य से निम्नलिखित जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

चश्मा व कांटेक्ट लैंस की आवश्यकता क्यों होती है ?

मनुष्य की आँख कई प्रकार से एक कैमरे के समान होती है। कैमरे की तरह ही आँख में लैंस होता है जो प्रतिबिंब को केन्द्रित करने की दो तिहाई क्षमता कॉर्निया प्रदान करता है।

कई बार कॉर्निया, लैंस तथा आँख की लंबाई एक दूसरे से मेल नहीं खाते और ऐसी स्थिति में प्रतिबिंब रैटिना (आँख के पर्दे) के आगे या पीछे बनता है। ऐसे में हमें धुंधला दिखाई देता है और हमें चश्में या कांटेक्ट लैंस का सहारा लेना पड़ता है।

LASIK क्या है ?

LASIK एक सर्जरी है जो लेज़र की ठंडी किरणों से कॉर्निया की सतह को पुनः आकार देने में प्रयोग की जाती है। किसी भी लेज़र से दृष्टि दोष सुधार का लक्ष्य कॉर्निया को पुनः आकार देना होता है ताकि वह रैटिना पर प्रतिबिंब को बेहतर रुप से केन्द्रित कर सकें।

क्या LASIK प्रत्येक के लिए उपयोगी है ?

एक नेत्र विशेषज्ञ ही यह निर्धारित कर सकता है कि किसी व्यक्ति के लिए यह तकनीक उपयुक्त है या नहीं। साधारणतः LASIK के लिए व्यक्ति की उम्र कम से कम 18 वर्ष होना चाहिये व उसके चश्में का नम्बर 1 साल स्थिर रहे व उसका कॉर्निया स्वस्थ हो। चूंकि हार्मोन्स का स्तर आँख के आकार को प्रभावित करता है अतः गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए यह उपयुक्त नहीं है। यह सर्जरी उन लोगों को भी नहीं करानी चाहिए जिन्हें

- कांचबिंद
- मोतियाबिंद या
- आँखों के सूखेपन की समस्या हो।

क्या LASIK सुरक्षित विधा है ?

यह पूर्णतः सुरक्षित है। LASIK कराने के पश्चात 1 प्रतिशत से भी कम मरीजों को किसी प्रकार की गंभीर या दृष्टि के लिए हानिकारक समस्या कर सामना करना पड़ा है। अगर कोई कॉम्पलिकेशन आता है तो उसका निदान कुछ ही समय के अंतराल में किया जा सकता है।

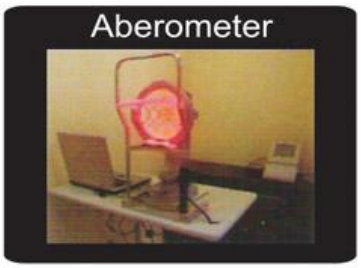

यह उपचार किस प्रकार होता है ?

लेज़र किरणों का उपयोग कर कॉर्निया को 1 mm के 1/4000 भाग की सूक्ष्मता से पुनः आकार दिया जाता है जिसके लिए कॉर्निया की सतह को एकजाइमर लेज़र की मदद से पॉलिश किया जाता है। इससे कॉर्निया की रिफ्रेक्टिव क्षमता को परिवर्तित किया जाता है तथा उचित आकार देने से आँख का रिफ्रेक्टिव दोष दूर हो जाता है। इस प्रक्रिया में लेज़र के अतिरिक्त एक मशीनी उपकरण माइक्रोकैरेटोम का उपयोग भी किया जाता है। इस उपकरण से कॉर्निया पर कट लगाकर फ्लैप बनाते हैं (Fig.1) फ्लैप को उठाते हैं और लेज़र से पुनः आकार दिया जाता है (Fig.2) फ्लैप से पुनः कॉर्निया को ढंक देते हैं तथा यह पुनः आकार दिए कॉर्निया पर चिपक जाता है (Fig.3)।

Lasik Procedure

Fig. 1

Fig. 2

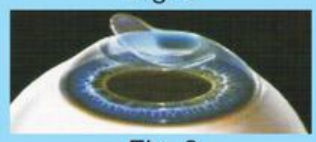

Fig. 3

इस प्रक्रिया में कितना समय लगता है ?

EYE-Q400H_3 से एक आँख पर लेसिक की प्रक्रिया में 5 मिनिट का समय लगता है इसमें 3 सेकण्ड में एक नंबर (Diopter) कम करने की क्षमता होती है।

क्या LASIK कराने में दर्द होता है ?

इस प्रक्रिया में किसी प्रकार का दर्द नहीं होता किन्तु अधिकतर लोग 4-6 घंटे तक आँखों में हल्की सी जलन महसूस करते हैं।

LASIK के पश्चात् पूर्व की भांति दिनचर्या शुरु करने में कितने दिन लगते हैं ?

आमतौर पर 1-2 दिन के बाद ही आप सभी कार्य पूर्ववत कर सकते है। सर्जरी के दिन को छोड़कर जैसे ही आपको साफ नज़र आने लगता है, आप वाहन चलाना शुरु कर सकते हैं।

क्या LASIK से किया उपचार स्थाई है ?

यह एक स्थाई तरीका है व पुनः रिफ्रेक्टिव दोष होने की संभावना नहीं के बराबर है। किन्तु LASIK उम्र के कारण विकसित होने वाली सामान्य अवस्थाओं को प्रभावित नहीं करता, इसलिये उम्र से संबंधित प्रभाव दृष्टि पर प्राकृतिक रुप से पड़ते हैं।

कस्टमाईज्ड लेसिक लेज़र :

सामान्यतः लेसिक लेज़र में कार्निया के संपूर्ण भाग पर लेसिक लेज़र प्रवाहित करते है। परन्तु कस्टमाईज्ड लेसिक लेज़र में कार्निया के जिस भाग में नंबर होता है उसी भाग में लेज़र प्रवाहित किया जाता है और कार्निया के सामान्य भाग को सुरक्षित रखा जाता है इस कारण इस टेकनीक में ज्यादा Accuracy आती है, कस्टमाईज्ड टेकनिक की सुविधा Aberometer की सहायता से सेन्टर पर उपलब्ध है।

राजस

यदि आप चश्में व कांटेक्ट लैंस से मुक्ति के लिए विश्व-स्तरीय दृष्टि दोष सुधार सेन्टर की तलाश में है तो राजस आपके लिए है। यहाँ आपको न केवल 400 H_z एक्ज़ाइमर लेज़र तकनीक उपलब्ध होगी अपितु पूर्णतः प्रशिक्षित विशेषज्ञों द्वारा ही दृष्टि दोष सुधार किया जाता है

NURSING VISION

चौधरी नेत्र एवं रेटिना रिसर्च सेन्टर

1, शिव विलास पैलेस, राजबाड़ा, इन्दौर (म.प्र.)

फोन : 0731-2539595, 2536822

राजस नेत्र एवं रेटिना रिसर्च सेन्टर

152, कंचनबाग, एयरटेल के सामने, इन्दौर